

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

कक्षा - 7

हिंदी (पल्लव)

अध्याय – 12

अशोक का शस्त्र-त्याग

भाग – 2

मिताली कुमारी

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अशोक : अशोक तो मैं ही हूँ राजकुमारी। दोषी मैं ही हूँ। परंतु तुम स्त्री हो, तुम्हारी सेना भी स्त्रियों की है। मैं स्त्रियों पर शस्त्र नहीं चलाऊँगा।

पद्मा : क्यों महाराज ?

अशोक : शास्त्र की आज्ञा है राजकुमारी !

पद्मा : और शास्त्र की आज्ञा है कि तुम निरपराधियों की हत्या करो? शास्त्र की आज्ञा है कि तुम अपनी विजय-लालसा पूरी करने के लिए लाखों माताओं की गोद सूनी कर दो?

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

लाखों स्त्रियों की माँग का सिन्दूर पोंछ दो? फूंक दो उस शास्त्र को, जो तुम्हें यह सिखाता है। मैं तुमसे शास्त्र सीखने नहीं आई हूँ, शस्त्रों से युद्ध करने आई हूँ। तुम हत्यारे हो, मैं अपनी बलि चढ़ाकर तुम्हारी खून की प्यास बुझाने आई हूँ। अपने सिपाहियों से कहो कि तलवार उठाएँ, कलिंग की स्त्रियाँ तुमसे कुछ नहीं चाहतीं, केवल युद्ध चाहती हैं।

(अशोक सिर झुका लेते हैं।)

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



पद्मा : क्यों, सिर क्यों झुका लिया महाराज ? मैं युद्ध चाहती हूँ, केवल युद्ध। आज आपके भीषण युद्ध की पूर्णाहूति होगी।

अशोक : बहुत हो चुका राजकुमारी। मैं अब युद्ध नहीं करूँगा कभी युद्ध नहीं करूँगा (तलवार नीचे फेंक देते हैं।)

पद्मा : यह क्या महाराज !

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अशोक : (अपने सैनिकों से) तुम भी अपनी तलवारें नीचे फेंक दो। आज से अशोक तुम्हें कभी किसी पर आक्रमण करने की आज्ञा नहीं देगा। फेंक दो अपनी तलवारें। (सभी सैनिक अपनी-अपनी तलवारें फेंक देते हैं।)

पद्मा : (आगे बढ़कर) मैं भुलावे में नहीं आ सकती महाराज ! मैं तुमसे युद्ध करूँगी। मुझे अपने पिता का बदला लेना है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अशोक : (सिर झुकाकर) तो लीजिए बदला राजकुमारी। मैं अपराधी हूँ। जिस अशोक ने लाखों का सिर काटा है और जिस अशोक का सिर आज तक किसी के आगे नहीं झुका, वह आपके आगे नत है। काट लीजिए इस सिर को। मैं हथियार नहीं उठाऊँगा। मेरी प्रतिज्ञा अटल है।

(अशोक सिर झुकाकर खड़े हो जाते हैं।)

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

पद्मा : तो जाइए महाराज ! स्त्रियाँ भी निहत्थों पर वार नहीं करेंगी। आप अपनी प्रतिज्ञा की रक्षा के लिए जीवित रहिए।

(अपनी स्त्रियों की सेना के साथ दुर्ग में चली जाती है।)

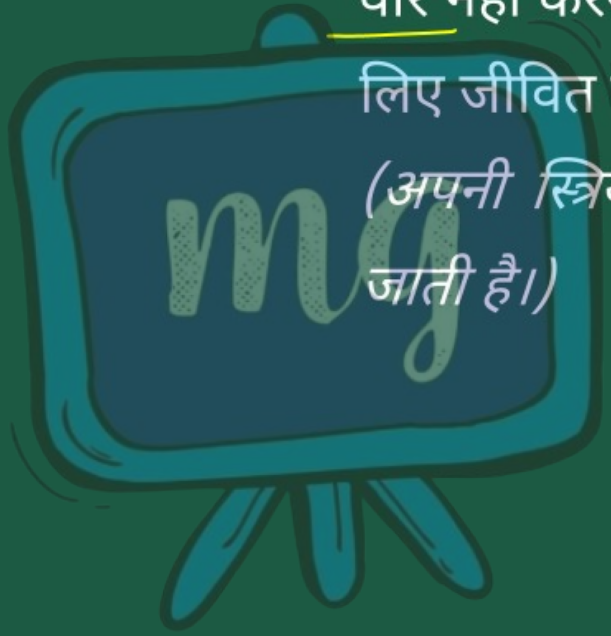

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



(तीसरा दृश्य)

बौद्ध भिक्षु : (अशोक से) कहो, मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि .....

अशोक : मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि .....

बौद्ध भिक्षु : जब तक मेरे शरीर में प्राण रहेंगे .....

अशोक : जब तक मेरे शरीर में प्राण रहेंगे .....

बौद्ध भिक्षु : अहिंसा ही मेरा धर्म होगा।

अशोक : अहिंसा ही मेरा धर्म होगा।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

बौद्ध भिक्षु : मैं सबसे प्रेम करूँगा और मेरी करुणा का सदाव्रत आप सबको मिलेगा।

अशोक : मैं सबसे प्रेम करूँगा और मेरी करुणा का सदाव्रत आप सबको मिलेगा।

बौद्ध भिक्षु : प्रतिज्ञा करो कि जब तक जीवित रहूँगा, अपनी प्रजा की भलाई करूँगा। सब प्राणियों को सुख और शांति पहुँचाने का प्रयत्न करूँगा। सब धर्मों को समान दृष्टि से देखूँगा।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



अशोक : मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं शक्तिभर आपकी आज्ञा का पालन करूँगा।

बौद्ध भिक्षु : बोलो –

बुद्धं शरणं गच्छामि ।

धर्मं शरणं गच्छामि ।

संघ शरणं गच्छामि।

सभी : बुद्धं शरणं गच्छामि ।

धर्मं शरणं गच्छामि ।

संघं शरणं गच्छामि ।

(पटाक्षेप)

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

पाठ सार

('अशोक का शस्त्र-त्याग' शीर्षक एकांकी में एकांकीकार वंशीधर श्रीवास्तव जी ने सम्राट अशोक की कलिंग विजय तथा उसी महत्वपूर्ण घटना के पश्चात उनके शस्त्र-त्याग के महान संकल्प के विषय पर आलोकपात किया है। कलिंग की सेना चार साल तक मगध की सेना से लड़ती रही। उनके सेनापति बंदी हो गए, महाराजा भी युद्ध में निहत हुए। फिर भी कलिंग के निवासी अपने देश की रक्षा के लिए मर-मिटने तक प्रस्तुत थे।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

पाठ सार

अंत में राजकुमारी पद्मा स्वयं सैन्य संचालन का भार लेकर स्त्रियों की सेना सहित युद्धभूमि में आ पहुँची। इस घटना से प्रभावित होकर सम्राट अशोक ने शस्त्र-त्याग का संकल्प लिया। हिंसा का पथ परिहार कर उन्होंने अहिंसा का पथ अपना लिया।)

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

मूल्यांकन

Under CSR Support by
ipca | Foundation



1 | कलिंग की सेना चार साल तक मगध की सेना से लड़ती रही।

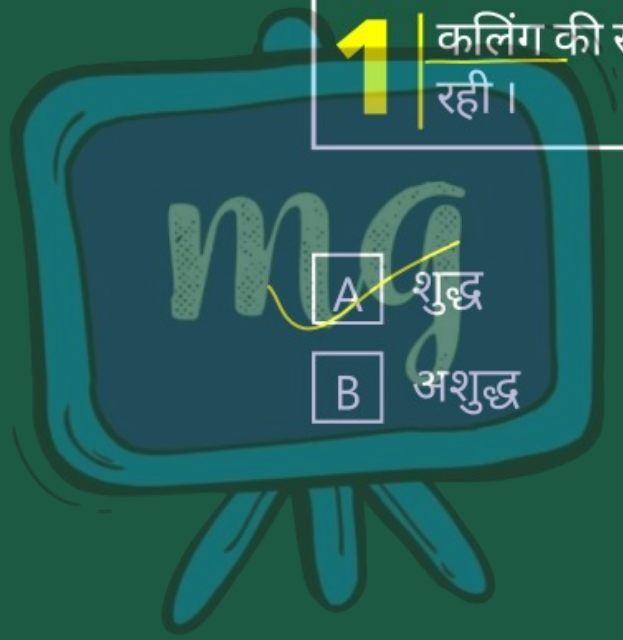

मूल्यांकन



2 | कलिंग के निवासी अपने देश की रक्षा के लिए मर-मिटने तक प्रस्तुत थे।

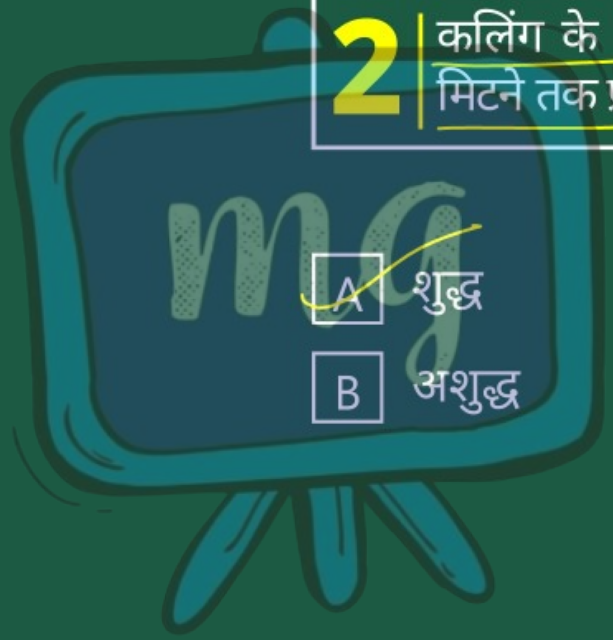

मूल्यांकन



3 | "मैं सबसे प्रेम करूँगा और मेरी करुणा का सदाव्रत आप सबको मिलेगा" - बौद्ध भिक्षु ने कहा

अशोकने

